मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री के जन्म दिन पर श्रमदान किया

उन्होंने पूरे राज्य में ''स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025'' का शुभारंभ किया

जयपुर, 17 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर बुधवार को राजस्थान भर में सेवा पखवाड़े की शुरुआत हुई। जयपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के अन्तर्गत, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन के साथ श्रमदान किया और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिवस की बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है और डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, जनधन योजना, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने देश को नई दिशा दी है और आज भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2014 में शुरू हुआ स्वच्छ भारत अभियान अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है। पहले जहां केवल 38 प्रतिशत घरों में शौचालय थे, वहीं अब यह आंकड़ा लगभग 100 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर के दोनों नगर निगम - ग्रेटर और हेरिटेज - स्वच्छ सर्वेक्षण में देश के टॉप-20 शहरों में शामिल हुए हैं। डूंगरपुर को सुपर स्वच्छ लीग में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में जब स्वच्छ भारत अभियान शुरु हुआ था तब केवल 38 प्रतिशत घरों में शौचालय थे। अब यह आंकड़ा लगभग 100 प्रतिशत तक पहुँच चुका है।

मुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्वच्छ भारत निर्माण में भागीदारी की अपील की।

कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मानसरोवर क्षेत्र में एक स्थानीय टी-स्टॉल (थड़ी) पर स्वयं चाय बनाकर लोगों को पिलाई और आमजन के साथ चाय पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान, महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर स्वच्छता और सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में ''स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025'' का शुभारंभ किया और आमजन के साथ मिलकर श्रमदान किया।

ईवीएम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उसने मतदाताओं की सुविधा के लिए ईवीएम मतपत्रों को अधिक स्पष्ट और पठनीय बनाने के लिए संबंधित दिशानिर्देशों में संशोधन किये हैं। इन बदलावों के अंतर्गत अब ईवीएम पर उम्मीदवारों/नोटा के क्रमांक भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप में मुद्रित होंगे। ईवीएम मतपत्र पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें होंगी, जिसमें फोटो के हिस्से में, तीन-चौथाई हिस्से पर उम्मीदवार का चेहरा दिखेगा। मतदाताओं को पढ़ने में आसानी के लिए सभी उम्मीदवारों/नोटा के नाम एक ही फ़ॉन्ट के आकार-प्रकार में मुद्रित किये जायेंगे। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए ईवीएम मतपत्र 70 जीएसएम कागज़ पर मुद्रित किये जायेंगे।

मोदी ने ट्रंप को 37 मिनट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह महत्वपूर्ण इसलिये है, क्योंकि डॉनल्ड ट्रंप, जो कि हमेशा शोमैन और कारोबारी की तरह सोचते हैं, 'पहले पोस्ट करने' के महत्व को अच्छी तरह समझते हैं। उदाहरण के लिए, ऑपरेशन सिंदूर सीज़फायर की घोषणा करने वाली ट्रम्प की ट्रुथ सोशल पोस्ट को याद कीजिये।

उन्होंने भारत या पाकिस्तान के किसी आधिकारिक बयान से पहले ही ट्रुथ सोशल पर युद्ध विराम की घोषणा कर दी थी। उस घोषणा के कारण हफ्तों तक यह दावा चलता रहा कि ट्रंप ने यह सीज़फायर कराया, जबकि भारत ने इसका बार-बार खंडन किया।

इसी प्रकार जून में हुई ईरान-इज़राइल सीज़फायर की घोषणा को याद

आजकल सोशल मीडिया के ज़माने में यह बात ज्यादा महत्व रखती है कि किसने अपने तरीके से खबर लीक की, यह महत्व नहीं रखता कि किसने फोन पर क्या कहा।

कीजिये। तेहरान और तेल अवीव को इसकी खबर तक नहीं थी, क्योंकि वे एक-दूसरे पर मिसाइलें दागने में व्यस्त थे।

इसलिए इस बार प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पहले ऑनलाइन पोस्ट करना (और मान लें, कि आज के दौर में ऑनलाइन ही सबसे अहम है) - ट्रंप को नागवार गुज़रा। उन्हें दोबारा नियंत्रण स्थापित करना था।

शायद यही वजह रही कि उन्होंने इस बार प्रधानमंत्री को उनके पहले नाम से संबोधित किया।

दरअसल, कम से कम सोशल मीडिया पर यह पहली बार हुआ, जब ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को पहले नाम से संबोधित किया। ऐसा वे सिर्फ रूस के व्लादिमीर पुतिन और इज़राइल के बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करते हैं।

इसके विपरीत, मोदी ने अपने पोस्ट में ''प्रैसिडैंट'' शब्द का इस्तेमाल किया, और पहले की पोस्ट्स की तरह इस बार ट्रंप को 'मित्र' भी नहीं कहा, जिसने एक और तरह की चर्चा को जन्म दे दिया।

क्या अमेरिका, भारत से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुद ट्रंप ने आशावादी रुख अपनाया। पिछले हफ्ते उन्होंने कहा था कि उन्हें ''पूरा विश्वास है'' कि दोनों पक्ष प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे सकेंगे। मोदी की उस बयान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया, उसके बाद जन्मदिन की शुभकामनाएं, और अमेरिका द्वारा वार्ताएं फिर से शुरू करने का निर्णय, इन सभी ने वार्ताकारों के लिए एक नया अवसर पैदा कर दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी अंतिम समझौते को अमेरिकी कृषि और तकनीक क्षेत्रों के लिए बाज़ार पहुंच की मांगों और भारत की टैरिफ, तेल आयात व डेटा स्थानीयकरण जैसे मुद्दों की चिंताओं के बीच संतुलन बनाना होगा। लेकिन अब जब दोनों देश व्यापारिक रिश्तों को पुनर्जीवित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो पर्यवेक्षकों का मानना है कि कम से कम एक अंतरिम समझौते की संभावना पहले से कहीं अधिक हो गई है। ''यह व्यापक संदर्भ भी महत्वपूर्ण है। फरवरी में मोदी की वॉशिंगटन यात्रा के दौरान, दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया था। टैरिफ और बाजार पहुंच को लेकर मतभेदों ने इस दिशा में प्रगति धीमी कर दी थी, लेकिन मंगलवार की बैठक ने उस लक्ष्य की दिशा में फिर से गति ला दी है। भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी, जो रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में पहले ही मौजूद है, अब व्यापार के क्षेत्र में भी अपनी परीक्षा दे रही है। भारत के लिए, अमेरिका के बाजार तक निरंतर पहुंच बनाए रखना उस समय बेहद जरूरी है, जब वह खुद को विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला केंद्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। वहीं अमेरिका के लिए, भारत को व्यापार और कृषि के मोर्चे पर साथ लाना ट्रंप की व्यापक आर्थिक नीति और एशिया में भू-राजनीतिक संतुलन की रणनीति से मेल खाता है। जैसे-जैसे मोदी और ट्रंप व्यक्तिगत स्तर पर गर्मजोशी का प्रदर्शन कर रहे हैं, व्यापारिक समझौते की संभावनाएं पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल दिख रही हैं। जो कभी एक तीखा गतिरोध था, वह अब एक समझौते की रूपरेखा जैसा लगने लगा है, एक ऐसा समझौता जो दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ती हुई लोकतंत्रों के बीच आर्थिक साझेदारी को फिर से परिभाषित कर सकता है।

'प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को लेकर एक एआई वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में दिखाया गया था कि पीएम मोदी की मां उनके सपनों में आती हैं और उनसे बात करती हैं। बाद में, कांग्रेस के इस वीडियो पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई थी।

कांग्रेस के इस एआई वीडियो पर भाजपा ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने इस वीडियो को लेकर कहा था कि कांग्रेस पार्टी एक बार फिर पीएम मोदी की मां का अपमान कर रही है। यह अब गांधी की कांग्रेस नहीं रही, यह गालियों वाली कांग्रेस बन गई है। बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा था कि कांग्रेस को इस वीडियो को लेकर शर्म आनी चाहिए। उन्होंने एक बार फिर पीएम मोदी की मां, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं, उनका अपमान किया है। कांग्रेस के नेताओं को इस वीडियो के लिए माफी मांगनी चाहिए।

'पराली जलाने पर कुछ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य न्यायाधीश ने सवाल किया कि अधिकारी इस मुद्दे के लिए दंडात्मक प्रावधानों पर विचार क्यों नहीं कर रहे। ''अगर कुछ लोगों को जेल भेजा जाए, तो यह सही संदेश देगा। आप किसानों के लिए कोई जुर्माना या दंड क्यों नहीं सोचते? अगर आप वास्तव में पर्यावरण की रक्षा करना चाहते हैं, तो झिझक क्यों?''

उन्होंने आगे कहा: ''किसान स्पैशल हैं, और हम उनके कारण ही भोजन कर पा रहे हैं... लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे इसका अनुचित लाभ उठा सकते हैं।''

हर साल अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली की जहरीली हवा के प्रमुख कारणों में पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना शामिल है। किसान फसल के अवशेष हटाने के लिए पराली जलाते हैं। इसके विकल्पों में मजदूरों की मदद से खेत साफ करना या विशेष मशीनों का उपयोग शामिल है, लेकिन किसान तर्क देते हैं कि ये विकल्प महंगे हैं। हालांकि पराली जलाने के मामलों में कुछ कमी ज़रूर आई है, फिर भी यह प्रथा अब भी जारी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा, जो पंजाब सरकार की ओर से पेश हुए, ने कहा कि राज्य में पराली जलाने के मामलों में बीते कुछ वर्षों में गिरावट आई है। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन वर्षों में काफी प्रगति हुई है। इस साल हम और बेहतर करेंगे।''

वरिष्ठ अधिवक्ता ने यह भी बताया कि पहले पराली जलाने के मामलों में गिरफ्तारियां की गई थीं। ''लेकिन इनमें से अधिकतर छोटे किसान हैं। अगर आप उन्हें पकड़कर जेल भेज देते हैं, तो उनके परिवार का क्या होगा?''

मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया: ''यह रूटीन में तो नहीं होना चाहिए। लेकिन एक संदेश देने के लिए जरूरी है।''

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी, जो दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार की ओर से पेश हुईं, ने अदालत से अनुरोध किया कि अगली सुनवाई अगले सप्ताह की जाए, जब तक कि सभी पक्षों की स्थिति रिपोर्ट जमा न हो जाए।

ब्रिटेन के केवल 16 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जन्मदिन पर फोन कर उन्हें विश्व नेता (वर्ल्ड स्टेट्समैन) बताया। इससे यह संदेश देने की कोशिश की गई कि उनके दोस्त दुनिया भर में हैं और पश्चिमी देशों की यह रणनीति, कि उन्हें अलग-थलग कर दिया जाए, पूरी तरह नाकाम रही है। एक हफ़्ते पहले ही पुतिन चीन में एससीओ शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग और कई अन्य वैश्विक दक्षिण के नेताओं के साथ मौजूद थे।

दूसरी तरफ, यूरोपीय संघ (ईयू) ने भी भारत से संपर्क तेज किया और व्यापार समझौते पर वार्ता को तेज़ी से आगे बढ़ाया। ईयू ने साफ तौर पर ट्रंप की इस अपील को ठुकरा दिया कि भारत और चीन पर रूसी सस्ता तेल खरीदने के लिए 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जाए।

ट्रंप की नाराज़गी का कारण यह भी है कि यूरोपीय देश खुद भी रूसी ऊर्जा खरीदते रहे हैं, भले ही उन्हें इसके लिए ''सैकेण्डरी सैंक्शन्स'' का सामना करना पड़ा हो। नाटक के नाम पर यह कैसा क्रूर दोगलापन है, जबकि, आम व निर्दोष यूक्रेनियों का कत्लेआम किया जा रहा है।

यह इक्कीसवीं सदी के ''मैकबैथ'' का एक संस्करण प्रतीत होता है। ट्रंप को इसका एहसास तक नहीं है कि उन्हें विंडसर के राजसी बागानों में शानदार बर्तनों और दिखावटी समारोहों के बीच एक ''चुड़ैलों के कड़ाहे'' में पकाया जा रहा है।

बीकानेर में पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किए गए हैं। एरिया को सील किया गया है। सदर एसएचओ दिगपाल सिंह ने बताया कि उनके क्षेत्र में ईडी ने सुभाषपुरा के लिए पुलिस बल मांगा था, जिसके बाद से जाब्ता ईडी के साथ भेजा हुआ है। इसके अलावा कोटगेट थाना क्षेत्र के फड़ बाजार में भी ईडी पहुंची है। यहां भी एक व्यापारी के यहां ईडी अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। सुभाषपुरा में ईडी की कार्रवाई पूर्व पार्षद जावेद खान के घर पर हो रही है, वहीं, फड़ बाजार में मोहम्मद सादिक के घर पर ईडी की टीम पूछताछ कर रही है। पुलिस बल के साथ, सदर थानाधिकारी खुद भी सुभाषपुरा पहुंचे। मुक्ता प्रसाद नगर थाना क्षेत्र में भी ईडी की टीम पहुंची है। करीब छह ठिकानों पर ईडी पहुंची है। ईडी की टीम ने बीकानेर में कार्रवाई को पूरी तरह गोपनीय बनाकर रखा है। फड़ बाजार के जिस घर में ये कार्रवाई हो रही है, उससे काफी पहले रास्ता बंद कर दिया गया है।

सहयोगी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही इसका समाधान नहीं हुआ, तो यह संघर्ष न सिर्फ एनडीए गठबंधन की चुनावी तैयारियों को प्रभावित कर सकता है, बल्कि 'इंडिया' गठबंधन को एनडीए की आंतरिक असहमति का फायदा उठाने का अवसर भी दे सकता है।

`राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600